

अकबर की राजपुत नीति

Ashish Kumar Thakur
B.A. II, paper II [History, 03]
Dr. L.K.V.D. College, Taptur
Samastipur

- अकबर के राजपुतों के साथ चार तत्वों पर आधारित थे।
- (i) सम्मानपूर्ण और बराबरी के व्यवहार पर आधारित प्रबुद्ध स्वार्थ था।
 - (ii) प्रतिभा को मान्यता देकर
 - (iii) न्याय
 - (iv) ईमानदारी
- सबसे पहले 1562 ई० में अकबर के अजमेर राजा के दौरान अजमेर के कच्छवाह राजपुत ने मारमल ने अपनी पुत्री जोषाबाई का विवाह अकबर से किया।

मारमल का पुत्र मानवानदास अपनी बहन को पहुँचाने आग्रह आता था, जहाँ उसके पुत्र मानसिंह को अकबर ने शाही सेवा में स्वीकार किया।

बाद में जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर आदि राज्यों के राजपुतों ने भी अकबर के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित किए।

अकबर ने राजपुतों के साथ संबंध तीन प्रकार से थे :-

- (i) स्वैच्छिक समर्पण एवं विवाह के आधार पर जैसे अजमेर के राजपुत।
- (ii) गौरवपूर्ण मुकाबला के बाद स्वसम्मान झाड़ी देना में प्रवेश जैसे रणचम्पौर और मेरणा के राजपुत।
- (iii) स्वतंत्रता की कीमत पर समझौता करने से इंकार करनेवाली राजपुत जैसे मेवाड़ के उदयसिंह।

अपनी हिन्दु पत्नियों के प्रभाव में अकबर ने अनेक प्रकारों शुरू की तथा मांस के व्यापारियों को अलग मुहल्ले में बसने का निर्देश दिया।

अकबर ने खरी प्रजा को स्वैच्छिक बनाया। अकबर ने लड़कों के लिए विवाह की उम्र 16 वर्ष तथा लड़कियों के लिए 14 वर्ष निर्धारित किया था।

1605 ई० में अकबर की मृत्यु हो गई तथा उसे आगरा के निकट बिक्रमपुर में दफनाया गया।

अकबर की राजपुत नीति उलकी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा से प्रेरित था और यह महत्वाकांक्षा खुलकह, ए-कुल की नीति से प्रभावित था।

Ashish

इस नीति में अकबर ने पुरुषकार एवं धर्म की नीति का खंडार लिखा।

इसमें राजपूत राजाओं के पास अकबर की अधीनता स्वीकार करने का प्रस्ताव भेजा जाता था। और अकबर के साथ वैवाहिक संबंध भी स्थापित करने की बात कही जाती थी। इस नीति में वैवाहिक नीति अनिवार्य नहीं था।

अधीनता स्वीकार करने वाला राजा अकबर का मनसबदार बन जाता था।

अकबर उषका ही राज्य उली को 'वतन बागीर' के रूप में दे देता था एवं वह राजा पूर्व की तरह ही अकबर के नाम से शासन करता था। लेकिन उसकी सेना अथ मुगल सेना की भांग समझी जाती थी।

अकबर की राजपूत नीति सफल रहे और इसके माध्यम से अकबर को राजपूतों का सहयोग एवं समर्थन हासिल हुआ।

शाहजहाँ ने अकबर की राजपूत नीति को उलट दिया तथा राजपूतों के साथ वैवाहिक संबंध को हतोत्साहित किया।

फैलिज